नवोदय विद्यालय समिति

प्रथम सत्रांत परीक्षा 2021-22

कक्षा : 9 **पूर्णांक : 40**

विषय : हिंदी पाठ्यक्रम 'अ' **समय : 90 मिनट**

सामान्य निर्देश -

1. **इस प्रश्न पत्र में 'क' 'ख' एवं 'ग' कुल तीन खंड हैं.**
2. **तीनों खंडों के सभी प्रश्नों के उत्तर देना अनिवार्य है.**
3. **प्रत्येक वैकल्पिक प्रश्न 1 अंक का है.**
4. **प्रत्येक प्रश्न को ध्यान से पढ़ कर उत्तर दें.**

खंड 'क'

प्रश्न 1- नीचे दिए गए गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर पूछे गए वैकल्पिक प्रश्नों को हल कीजिए- **(1×5=5)**

विद्यार्थी जीवन को मानव जीवन की रीढ़ की हड्डी कहें तो कोई अतिशयोक्ति नहीं होगी। विद्यार्थी काल में बालक में जो संस्कार पड़ जाते हैं जीवन-भर वही संस्कार अमिट रहते हैं। इसलिए यही काल आधारशिला कहा गया है। यदि यह नींव दृढ बन जाती है तो जीवन सुदृढ़ और सुखी बन जाता है। यदि इस काल में बालक कष्ट सहन कर लेता है तो उसका शरीर स्वस्थ बनता है। यदि मन लगाकर अध्ययन कर लेता है तो उसे ज्ञान मिलता है, उसका मानसिक विकास होता है। जिस वृक्ष को प्रारंभ से सुंदर सिंचन और खाद मिल जाती है, वह पुष्पित एवं पल्लवित होकर संसार को सौरभ देने लगता है। इसी प्रकार विद्यार्थी काल में जो बालक श्रम, अनुशासन, समय एवं नियमन के साँचे में ढल जाता है, वह आदर्श विद्यार्थी बनकर सभ्य नागरिक बन जाता है। सभ्य नागरिक के लिए जिन-जिन गुणों की आवश्यकता है उन गुणों के लिए विद्यार्थी काल ही तो सुन्दर पाठशाला है। यहाँ पर अपने साथियों के बीच रह कर वे सभी गुण आ जाने आवश्यक हैं,जिनका विद्यार्थी को अपने जीवन में आवश्यकता होती है।

1.1 **'संसार को सौरभ' देने का अर्थ है**

क. संसार में सुगंध फैलाना **ख. संसार को बेहतर बनाना**

ग. संसार में पेड़ लगाना **घ. संसार को सुगंधित द्रव्य देना**

1.2. गद्यांश में आदर्श विद्यार्थी के किन गुणों की चर्चा की गई है

क. कष्ट सहन करना　　ख. अनुशासन में रहना

ग. मन लगाकर अध्ययन करना　　घ. उक्त सभी

1.3 गद्यांश में 'वृक्ष' किसे कहा गया है?

क. पेड़ को　　ख. विद्यार्थी को

ग. जीवन को　　घ. समय को

1.4 विद्यार्थी जीवन को मानव जीवन की रीढ़ की हड्डी क्यों माना जाता है क्योंकि

क. विद्यार्थी जीवन में उत्तरदायित्व नहीं होते।

ख. जो संस्कार विद्यार्थी जीवन में पड़ जाते हैं वे संस्कार स्थायी हो जाते है

ग .विद्यार्थी जीवन सुखी जीवन होता है।

घ. विद्यार्थी जीवन में ज्ञान मिलता है।

1.5 गद्यांश में आए अतिशयोक्ति शब्द का संधि विच्छेद होगा

क. अतिशय + उक्ति　　ख.अति + शयोक्ति

ग. अतिशय + ओक्ति　　घ. अतिशयोक + ति

प्रश्न 2- नीचे दिए गए पद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर पूछे गए वैकल्पिक प्रश्नों को हल कीजिए-　　(1×5=5)

आज जीत की रात
पहरुए, सावधान रहना।
खुले देश के द्वार
अचल दीपक समान रहना
प्रथम चरण है नये स्वर्ग का
है मंजिल का छोर
इस जनमंथन से उठ आई-
पहली रतन हिलोर
अभी शेष है पूरी होना
जीवन मुक्ता डोर
क्योंकि नहीं मिट पाई दुख की
विगत साँवली कोर
ले युग की पतवार

बने अंबुधि समान रहना

पहरुए, सावधान रहना

ऊँची हुई मशाल हमारी

आगे कठिन डगर है।

शत्रु हट गया, लेकिन उसकी

छायाओं का डर है,

शोषण से मृत है समाज ,

कमज़ोर हमारा घर है।

किंतु आ रही नई जिंदगी

यह विश्वास अमर है।

2.1 कविता देश की कौनसी सुखद घटना की ओर संकेत करती है-?

क. युद्ध में जीत **ख. 15 अगस्त की सुखद घटना**

ख. गणतंत्र दिवस की सुखद घटना **ग. विपत्तियों से छुटकारे की रात**

2.2 कवि को किस बात का अमर विश्वास है -

क. विदेशी मदद का **ख. सरकारी नोकरी का**

ग. नई जिंदगी के आने का **घ. आगे कठिन डगर का**

2.3 शोषण से मृत है समाज कमज़ोर हमारा घर है - पंक्ति का अर्थ क्या है?

क. देश की हालत खास्ता है।

ख. देश की आर्थिक स्थिति दयनीय है।

ग . देश की सामाजिक स्थिति ठीक नहीं है।

घ देशकी आर्थिक, सामाजिक और राजनीतिक व्यवस्था कमजोर है।

2.4 अंबुधि शब्द का अर्थ है -

क. आकाश **ख. धरती**

ग. सागर **घ. पाताल**

2.5 अचल का विपरीतार्थक शब्द चुनिए -

क. चंचल **ख. प्रचल**

ग. विचल **घ. चल**

खंड 'ख'

प्रश्न 3. किन्हीं आठ प्रश्नों के उत्तर दीजिए - (1×8=8)

3.1 किस शब्द में "कु" का प्रयोग उपसर्ग के रुप में नहीं हुआ है

क. कुफल ख. कुरूप

ग. कुमार्ग घ. कुसुम

3.2 किस शब्द में उपसर्ग का प्रयोग हुआ है ?

क. अच्छाई ख. कठिनता

ग. उत्थान घ. आलसी

3.3 जो धातु या शब्द के अंत में जोड़ा जाता है उसे कहते है -

क. समास ख. अव्यय

ग. उपसर्ग घ. प्रत्यय

3.4 कृदन्त प्रत्यय किन शब्दों के साथ जुड़ते है -

क. संज्ञा ख. सर्वनाम

ग. विशेषण घ. क्रिया

3.5 कनिष्ठ शब्द में प्रयुक्त प्रत्यय है -

क. इष्ट ख. इष्ठ

ग. ष्ट घ. ɜठ

3.6 साग-पात शब्द में निहित समास का नाम बताइए -

क. कर्मधारय ख. द्विगु

ग. तत्पुरूष घ. द्वंद्व

3.7 'कन्यादान' शब्द में कौन सा समास है -

क. तत्पुरूष ख. द्वंद्व

ग. कर्मधारय घ. द्विगु

3.8 लंबोदर शब्द में सही समास कौन सा है -

क. द्वंद्व ख. द्विगु

ग. बहुब्रीहि घ. तत्पुरूष

3.9 कौन सा बहुब्रीहि समास का उदाहरण है -

क. निशिदिन ख. त्रिभुवन

ग. नीलकंठ घ. पुरुषसिंह

3.10 विशेषण और विशेष्य के योग से कौन सा समास बनता है

क. कर्मधारय　　ख. द्विगु

ग. तत्पुरूष　　घ. द्वंद्व

प्रश्न 4. किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर दीजिए - (1×4=4)

4.1 'क्या मेरा भाई आपसे मिला?' यहाँ अर्थ के आधार पर वाक्य का कौन सा वाक्य भेद है ?

क. विधान वाचक वाक्य　　ख. संदेह वाचक वाक्य

ग . प्रश्न वाचक वाक्य　　घ. आज्ञा वाचक वाक्य

4.2 कविता बड़े हो कर एक सफल डॉक्टर बनना चाहती है। ' इस वाक्य को प्रश्न वाचक वाक्य में कैसे लिखा जाएगा -

क. शायद कविता बड़े हो कर एक सफल डॉक्टर बनना चाहती है।

ख. अरे ! कविता बड़े हो कर एक सफल डॉक्टर बनना चाहती है।

ग. हे भगवान् कविता बड़े हो कर एक सफल डॉक्टर बनना चाहती है।

घ. कविता बड़े हो कर एक सफल डॉक्टर क्यों बनना चाहती है ?

4.3'अभी भी गरीबी और भष्टाचार का खौफ देशवासियों में शायद नहीं है। ' यह वाक्य किस प्रकार का वाक्य है -

क. आज्ञा वाचक वाक्य　　ख. संदेह वाचक वाक्य

ग. इच्छा वाचक वाक्य　　घ. विस्मयादिबोधक वाक्य

4.4'जिन वाक्यों से आशीष एवं शुभकामना आदि का ज्ञान होता है ' वहाँ अर्थ की दृष्टि से कौन सा वाक्य भेद होता है -

क. संदेह वाचक वाक्य　　ख. संकेत वाचक वाक्य

ग. इच्छा वाचक वाक्य　　घ. निषेधात्मक वाक्य

4.5 'अच्छा ! तो यह सब नुकसान तुमने किया है।'यह वाक्य किस प्रकार का वाक्य है -

क. आज्ञा वाचक वाक्य　　ख. संकेत वाचक वाक्य

ग. इच्छा वाचक वाक्य　　घ. विस्मयादिबोधक वाक्य

प्रश्न 5 किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर दीजिए - (1×4=4)

5.1 'तरनि तनूजा तट तमाल तरुवर बहु छाए' में कौन सा अलंकार है?-

क. अनुप्रास　　ख. यमक

ग. उत्प्रेक्षा　　घ. उपमा

5.2 निम्नलिखित में कौन-सा शब्दालंकार नहीं है ?

क. अनुप्रास　　ख. यमक

ग. श्लेष　　घ. उपमा

5.3 कनक कनक ते सौ गुनी, मादकता अधिकाय |

या खाए बौराए जग, वा पाए बौराए। प्रस्तुत पंक्तियों में कौन सा अलंकार है ?

क. अनुप्रास　　ख. यमक

ग. श्लेष　　घ. उपमा

5.4 'आगे नदियां पड़ी अपार, घोडा कैसे उतरे पार।

राणा ने सोचा इस पार, तब तक चेतक था उस पार।'पंक्तिमें कौन सा अलंकार है।

क. अनुप्रास　　ख. यमक

ग. अतिशयोक्ति　　घ. रूपक अलंकार

5,5 "ज्यों-ज्यों बूढ़े स्याम रंग त्यों-त्यों उज्ज्वल होय।" में अलंकार बताइये-

क. विरोधाभास　　ख. श्लेष

ग. अतिशयोक्ति　　घ. रूपक अलंकार

खंड 'ग'

प्रश्न 6 - नीचे दिए गए गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर पूछे गए वैकल्पिक प्रश्नों को हल कीजिए-　　(1×5=5)

जानवरों में गधा सबसे ज्यादा बुद्धिहीन समझा जाता है। हम जब किसी आदमी को परले दरजे का बेवकूफ़ कहना चाहते हैं, तो उसे गधा कहते हैं। गधा सचमुच बेवकूफ़ है, या उसके सीधेपन, उसकी निरापद सहिष्णुता ने उसे यह पदवी दे दी है, इसका निश्चय नहीं किया जा सकता। गायें सींग मारती हैं, ब्याई हुई गाय तो अनायास ही सिंहनी का रूप धारण कर लेती है। कुत्ता भी बहुत गरीब जानवर है, लेकिन कभी-कभी उसे भी क्रोध आ ही जाता है, किंतु गधे को कभी क्रोध करते नहीं सुना, न देखा, जितना चाहो गरीब को मारो, चाहे जैसी खराब, सड़ी हुई घास सामने डाल दो, उसके चेहरे पर कभी असंतोष की छाया भी न दिखाई देगी। वैशाख में चाहे एकाध बार कुलेल कर लेता हो; पर हमने तो उसे कभी खुश होते नहीं देखा। उसके चेहरे पर एक विषाद स्थायी रूप से छाया रहता है। सुख-दुख, हानि-लाभ, किसी भी दशा में उसे बदलते नहीं देखा। ऋषियों- मुनियों के जितने गुण हैं वे सभी उसमें पराकाष्ठा को पहुँच गए हैं, पर आदमी उसे बेवकूफ़ कहता है।

6.1 गधा किस महीने में एकाध बार कुलेल कर लेता है?

क. वैशाख　　ख. सावन

ग. भादो　　घ. चैत्र

6.2 लेखक के अनुसार गधे में किनके गुण पराकाष्ठा को पहुँच गए हैं?

क. नेताओं के　　ख. अभिनेताओं के

ग. व्यापारियों के　　घ. ऋषि-मुनियों के

6.3 इस कहानी के लेखक हैं-:

क. राजेश जोशी　　ख. जाबिर हुसैन

ग. प्रेमचंद　　घ. राहुल सांकृत्यायन

6.4'दो बैलों की कथा' रचना किस प्रकार की विधा है ?

क. यात्रा वृत्तांत　　ख. कहानी

ग. नाटक　　घ. वृत्त चित्र

6.5 गधे के चेहरे पर कौनसा भाव स्थायी रूप से छाया रहता है -

क. प्रसन्नता का　　ख. विषाद का

ग. गंभीरता का　　घ. हास्य का

प्रश्न 7 नीचे दिए गए वैकल्पिक प्रश्नों को हल कीजिए - (1X2=2)

7.1 लेखक राहुल सांकृत्यायन ने सुमति को आदमी मिलने का बहाना बनाकर किस विहार की ओर चलने के लिए कहा?

क. शेकर　　ख. शेखर

ग. शेयर　　घ. शेचर

7.2 'मैं अब पुस्तकों के भीतर था' इस कथन का आशय है

क. लेखक पुस्तकें पढ़ने में रम गया था

ख. लेखक पुस्तकों की अलमारी के अंदर चला गया था

ग. लेखक का चित्र पुस्तकों में छप गया था

घ. लेखक के चारों ओर पुस्तकें थी

प्रश्न 8 नीचे दिए गए पद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर पूछे गए वैकल्पिक प्रश्नों को हल कीजिए- (1×5=5)

मानुष हौं तो वही रसखानि बसौं ब्रज गोकुल गांव के ग्वारन।

जौ पसु हौं तो कहा बस मेरो चरौं नित नंद की धेनु मँझारन॥

पाहन हौं तो वही गिरि को जो कियो हरिछत्र पुरंदर धारन।

जौ खग हौं तो बसेरो करौं कालिंदी कूल कदंब की डारन॥

8.1 कवि किस पर्वत पर पत्थर बनकर जन्म लेना चाहता है?

क. विंध्याचल ख. मैनाक

ग. गोवर्धन घ. हिमालय

8.2 'कालिंदी' किस का नाम है?

क. राधा ख. यमुना

ग. यशोदा घ. देवकी

8.3 'पुरंदर' कौन था?

क. कुबेर ख. यमराज

ग. वायु घ. इंद्र

8.4 'मँझारन' शब्द का अर्थ है -

क. बीच में ख. मचान पर

ग. मँझधार घ. महलों में

8.5 रसखान ब्रज प्रदेश में क्यों बसना चाहते हैं

क. ब्रज उनकी पैतृक भूमि है

ख. ब्रज की सुंदरता उन्हें लुभाती है

ग. ब्रज श्री कृष्ण की लीला भूमि है

घ. ब्रज महत्वपूर्ण जगह है

प्रश्न 9 नीचे दिए गए वैकल्पिक प्रश्नों को हल कीजिए - (1×2=2)

9.1 कबीर के अनुसार 'संत-सुजान' कौन हो सकता है?

क. गेरुए वस्त्र धारण करने वाला

ख. अपने पक्ष का प्रचार करने वाला

ग. जटा-जूट धारी

घ. निष्पक्ष भाव से प्रभु-स्मरण करने वाला

9.2 कवयित्री ललद्यद ने 'उतराई' किसे माना है?

क. चंचलता को ख. सद्कर्मों को

ग. क्रोध और मोह को घ. ईर्ष्या-द्वेष को